	Daly College Junior School Class:- 1A

सामूहिक कविता पाठ

साक्षर चूहे राम

अ आ इ ई उ ऊ पढ़कर, हुए साक्षर चूहेराम ।

काग़ज़ कलम किताबें लेकर, किया शुरू लिखने का काम ।

दिन भर कड़ा परिश्रम करते, पैसे खूब कमाते ।

शाम ढले ही किसी बैंक में, जाकर जमा कराते ।

उन्हें बैंक से एक पासबुक, और चैक बुक आई ।

बड़े जतन से बहुत सुरक्षित, बिल में ही रखवाई ।

दिवस दूसरे सुबह उठे तो, देखा खेल निराला ।

हाय चैक बुक और पास बुक, को ख़ुद ने खा डाला ।

माथा रहे पीटते दिन भर, अपना चूहा भाई ।

अपनी ही आदत क्यों ख़ुद को हो जाती दुखदाई ।

.....

Daly College, Jr. School
Subject: Hindi
Class I B

'सामूहिक कविता पाठ'

वर्षा और पानी

नानी आज मुझे बतलाना
कहाँ से लाती वर्षा पानी ?
सोच न पाऊँ, समझ न पाऊँ
मैं वर्षा की यह मनमानी ।

ऊपर नीला आसमान है
संग में सूरज चाँद-सितारे,
पानी फिर यह कहाँ से आया,
समझ न आई बात हमारे ।

सूरज की किरणें धरती पर
अपने संग हैं गरमी लातीं,
गरमी जल को भाप बनाकर

आसमान तक जा पहुँचाती।

ऊपर आसमान में जाकर
भाप से काले बादल बनते,
उमड़ -उमड़कर ये बादल ही
खूब गरजते, खूब बरसते ।

ऐसे ही पानी से बादल,
बादल से फिर बनता पानी
अब तो जान गईं बिटिया तुम,
कहाँ से लाती वर्षा पानी !

कवि- रणधीर ठाकुर

Daly College, Jr. School
Subject: Hindi
Class: I C

DATE:_____

NAME:_____

सामूहिक कविता पाठ
मोटूराम

मोटूराम! मोटूराम!
दिनभर खाते जाएँ जाम,
पेट को न दें जरा आराम,
मोटूराम! मोटूराम!
स्कूल जो जाएँ मोटूराम,
दोस्त सताएँ खुलेआम,
मोटू, तू है तोदूराम !
हमारी कमर, तेरा गोदाम !
तैश में आए मोटूराम,
भागे पीछे सरेआम,
पर बाकी सब पतलुराम,
पीछे रह गए मोटूराम !
रोते घर आए मोटूराम !
सिर उठा लें पूरा धाम.
माँ पुचकारे छोटूराम,
मत रो बेटा, खा ले आम !

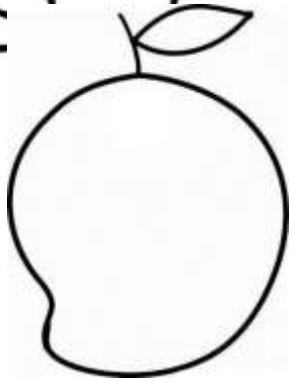

जब-जब रोते मोटूराम,
तब-तब सूते जाएँ आम,
और करें कुछ, काम न धाम !
मुटियाते जाएँ मोटूराम !
एक दिन पेट में उठा संग्राम,
डॉक्टर के पास मोटूराम,
सुई लगी चिल्लाए 'राम'
'राम, राम! हाए राम!'
तब जाने सेहत के दाम,

अब हर रोज़ करें व्यायाम,
धीरे-धीरे घटा वज़न,
पतले हो गए मोटूराम!

	Daly College Junior School **Class:- 1D**

सामूहिक कविता पाठ
हाथी और चूहा

दो चूहों की मिले सड़क पर, काले हाथी दादा ।

उन्हें देख बोला एक चूहा , क्या है यार इरादा ?

कई दिनों से हाथ सुस्त हैं ,कसरत ना हो पाई ।

क्यों ना हम हाथी दादा की ,कर दें आज धुनाई ?

बोला तभी दूसरा चूहा , उचित नहीं यह भाई ।

किसी अकेले से दो मिलकर ,कर दें हाथापाई ।

दुनियाँ वालों को भी यह सब ,होगा नही गवारा ।

लोग कहेंगे दो सेठों ने एक गरीब को मारा ।

.....